1. उद्योग

हमारे देश में बहुत सारे लोग खेती का काम करते हैं। 100 में से 60-65 लोग खेती के काम में ही लगे हैं। खेती के अलावा और भी कई काम हैं जो लोग अपनी जीविका के लिए करते हैं। खेती में चीज़ें ऊगाई जाती हैं, बनाई नहीं जाती हैं। पर हमारे काम की बहुत सी चीज़ें हैं जो दूसरी चीज़ों से बनाई जाती हैं।

नीचे दी गई वस्तुओं में से ऐसी वस्तुएं छांटो जो खेतों से प्राप्त नहीं होती हैं पर किसी और वस्तु से बनाई जाती हैं–

गेहूं, जूते-चप्पल, किताब, मटके, धनिया, ज्वार, शक्कर, सेब, साइकिल, गन्ना, आम, कपड़ा, चश्मा, कुर्सी, मोटर, तेल, हल-बखर, कढ़ाई, आलू, टोकरी, सूपा, प्याज़।

जैसे फसल उगाना खेती का काम है, चीज़ें बनाने का काम उद्योग का काम है। जो चीज़ें उद्योग में बनती हैं, उन्हें उद्योग के उत्पादन (यानी उद्योग में बनाई जाने वाली वस्तुएं) कहते हैं। जो चीज़ें तुमने दी गई सूची में से छांटी, वे सब उद्योग के उत्पादन हैं।

इन चीज़ों के अलावा उद्योग के उत्पादनों की जितनी लम्बी सूची तुम बना सकते हो बनाओ–

कच्चा माल

उद्योग में बनने वाली चीज़ें किसी और चीज़ से बनती हैं। जैसे कपड़ा कपास से बनता है, कागज़ लकड़ी से बनता है, आदि। जिस चीज़ से उद्योग में कोई और चीज़ तैयार होती है, उसे तैयार वस्तु का कच्चा माल कहते हैं। कपास, कपड़े का कच्चा माल है, लकड़ी कागज़ का कच्चा माल है और कागज़ किताब का कच्चा माल है।

पहले दी गई सूची में तुमने जो उद्योग की वस्तुएं छांटी थीं उनका कच्चा माल नीचे की तालिका को कापी में उतारकर भरो।

	तैयार वस्तु	कच्चा माल
1.	कपड़ा	कपास
2.	किताब	कागज़
3.		
4.		
5.		

(एक उद्योग में एक से अधिक कच्चा माल भी हो सकता है जैसे साइकिल या मोटर में)

जिस तरह खेती में कई लोग काम करते हैं, उसी तरह उद्योग में भी कई सारे लोग काम करते हैं। पर भारत में खेती की तुलना में उद्योग में कम लोग काम करते हैं। यहां पर 100 काम करने वाले लोगों में से 10 लोग ही उद्योग का काम करते हैं। 100 में से बाकी 25 लोग अन्य काम करते हैं- जैसे ट्रक चलाना, इलाज करना, व्यापार आदि।

उद्योग में तरह-तरह की चीज़ें बनती हैं और उनमें तरह-तरह के लोग भी काम करते हैं।

आगे कुछ चित्र दिए हुए हैं। कौन से चित्र उद्योग का काम करने वाले लोगों के हैं? ये लोग क्या बना रहे हैं?

उद्योग में उत्पादन कई तरह से होता है। बेचने के लिए कोई वस्तु बनाना, यही हर उद्योग का काम है, चाहे उत्पादन बनाने वाले के घर पर हो रहा हो या कारखाने में। स्वयं या घर के लिए कोई चीज़ बनाना उद्योग का काम

नहीं कहलाता। अगले पाठों में हम कुछ अलग-अलग तरह के उद्योगों की सैर करेंगे और समझेंगे कि वहां काम कैसे होता है? कौन-कौन काम करते हैं इनमें? क्या-क्या अंतर हैं इन उद्योगों में।

उद्योग से संबंधित कई सारे शब्द हैं। कुछ तो उद्योग में काम कर रहे लोगों के नाम हैं, जैसे– मालिक, मज़दूर, कारीगर, सुपरवाईज़र, मैनेजर, दलाल, परमानेन्ट और टेम्परेरी मज़दूर। ये नाम तुमने सुने भी होंगे। फिर उद्योग के काम से संबंधित कई शब्द हैं - कच्चा माल, औज़ार, प्रक्रिया, कारखाना, प्रदूषण, रसायन, मशीन, शेड .... इन शब्दों का क्या मतलब है यह भी आगे के पाठों को पढ़कर कुछ समझ में आयेगा।